INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

2022

RPSC

राजस्थान

1st GRADE

वरिष्ठ अध्यापक (PAPER-1)

[भाग -1] इतिहास (भारत + राजस्थान) + कला एवं संस्कृति + भूगोल

HANDWRITTEN NOTES

इतिहास (भारत + राजस्थान)

1. गुप्त काल एवं मुग़ल काल में साहित्य, कला और वास्तु कला का विकास
2. मुग़ल कालीन स्थापत्य कला, वास्तु कला, चित्र कला
3. 1857 का स्वतंत्रता संग्राम
4. राष्ट्रवादी आंदोलन का उदय
5. राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता
    - वी.डी. सावरकर
    - बंकिम चन्द्र चटर्जी
    - लाला लाजपत राय
    - बाल गंगाधर तिलक
    - विपिन चन्द्र पाल
    - चन्द्रशेखर आज़ाद
    - सरदार भगत सिंह
    - सुखदेव थापर
    - रास बिहारी बोस
    - सुभाष चन्द्र बोस

- सामाजिक और धार्मिक पुनर्जागरण
- राजा राम मोहन राय, दयानंद सरस्वती और विवेकानंद

राजस्थान का इतिहास

1. राजस्थान की प्राचीन संस्कृति और सभ्यता
    - कालीबंगा
    - आहड़ सभ्यता
    - गणेश्वर सभ्यता
    - बैराठ सभ्यता

2. 8 वीं से 18 वीं शताब्दी तक राजस्थान का इतिहास

3. अजमेर के चौहान

4. दिल्ली सल्तनत के साथ संबंध (मेवाड़, रणथम्भौर और जालौर)
    - राणा सांगा
    - महाराणा प्रताप सिंह
    - राजसिंह
    - चन्द्रसेन
    - मानसिंह

- महाराजा रायसिंह

5. राजस्थान में मुगल शासन

6. 1857 और राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास

7. राजस्थान में राजनैतिक जाग्रति

8. प्रजामंडल आंदोलन

9. किसान और आदिवासी आंदोलन

10. राजस्थान का एकीकरण

राजस्थान में समाज एवं धर्म (कला एवं संस्कृति)

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

1. लोक देवता और लोक देवियाँ

2. राजस्थान के संत

3. वास्तुकला – मंदिर किले और महल

4. पेंटिंग्स – चित्रकला

5. मेले और त्यौहार

6. सामाजिक रीतिरिवाज, प्रथाएं, ठिकाना व्यवस्था

7. वस्त्र एवं आभूषण

8. लोक संगीत और लोक नृत्य

9. भाषा और साहित्य

राजस्थान का भूगोल

1. स्थिति एवं विस्तार - सामान्य परिचय

2. प्रमुख भू-आकृतिक प्रदेश एवं उनकी विशेषताएं

3. प्रमुख नदियाँ एवं झीलें

4. जलवायु

5. जनसंख्या वितरण, विकास, साक्षरता, लिंगानुपात

6. कृषि

7. पशुपालन

8. खनिज संसाधन

9. ऊर्जा संसाधन

10. पर्यटन और परिवहन

11. राजस्थान राज्य के प्रमुख उद्योग

नोट - प्रिय छात्रों, Infusion Notes (इन्फ्यूजन नोट्स) के “राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक) – 2022” के sample notes आपको पीडीएफ़ format में “फ़्री” में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (8233195718, 9694804063, 8504091672) | किसी भी व्यक्ति को sample पीडीएफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है | अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 9887809083, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी |

अध्याय – I

गुप्त काल एवं मुग़ल काल में साहित्य, कला और वास्तुकला का विकास

गुप्तयुगीन कला एवं वास्तुकला

वास्तु-कला – मंदिर

- गुप्तयुगीन वास्तुकला के सर्वोत्तम उदाहरण मंदिर है। वस्तुतः मंदिर के अवशेष हमें इसी काल से मिलने लगते हैं। गुप्तकालीन मन्दिरों कुछ सामान्य विशेषतायें हैं जो इस प्रकार हैं-
- गुप्तकालीन मंदिरों का निर्माण सामान्यतः एक ऊँचे चबूतरे पर हुआ था, जिन पर चढने के लिये चारों ओर से सीढियाँ बनाई गयी थी।
- प्रारंभिक मंदिरों की छतें चपटी होती थी, किन्तु आगे चलकर शिखर भी बनाये जाने लगे।
- मंदिर के भीतर एक चौकोर अथवा वर्गाकार कक्ष बनाया जाता था, जिसमें मूर्ति रखी जाती थी। यह मंदिर का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग था, जिसे गर्भगृह कहा जाता था।
- गर्भगृह तीन ओर से दीवारों से घिरा होता था। जबकि एक ओर प्रवेशद्वार बना रहता था।
- पहले गर्भगृह की दीवारें सादी होती थी, किन्तु बाद में चलकर उन्हें मूर्तियों तथा अन्य अलंकरणों से सजाया जाने लगा।
- गर्भगृह के चारों ओर ऊपर से आच्छादित प्रदक्षिणा-पथ बना होता था।
- गर्भगृह के प्रवेशद्वार पर बने चौखट पर मकरवाहिनी गंगा और कूर्मवाहिनी यमुना की आकृतियाँ उत्कीर्ण मिलती हैं, जो गुप्तकला की अपनी विशेषता है। ऊपर के शिरापट्ट तथा पार्श्व भाग में भी हंस-मिथुन, स्वस्तिक, श्रीवृक्ष, मंगलकलश, शंख, पद्म आदि पवित्र मांगलिक चिन्हों एवं प्रतीकों का भी अंकन किया गया है। द्वार के अलंकरण के संबंध में वाराहामिहिर का मत हैं, कि द्वार शाखा के चौथाई भाग में प्रतिहारी (द्वारपाल) तथा शेष में मंगल विहग, श्रीवृक्ष, स्वास्तिक, घट, मिथुन, पत्रवल्ली आदि का अंकन का उल्लेख किया है।

- पहले गर्भगृह के सामने एक स्तंभ युक्त मंडप बनाया जाता था, किन्तु बाद में चलकर इसे गर्भगृह के चारों ओर बनाया जाने लगा। द्वार स्तंभ अलंकृत होते थे, जिनमें पूर्णकलश की आकृति बनी रहती थी। कलश से पुष्प बाहर निकलते हुए दिखाई देते हैं।
- मंदिर के वर्गाकार स्तंभों के शीर्षभाग पर चार सिंहों की मूर्तियां एक दूसरे से पीठ सटाये हुए बनाई गयी हैं।
- गर्भगृह में केवल मूर्ति स्थापित रहती थी। उसमें उपासकों के एकत्र होने का कोई स्थान नहीं बनाया गया था।
- गुप्तकाल के अधिकांश मंदिर पाषाण निर्मित हैं। केवल भीतरगाँव तथा सिरपुर के मंदिर ही ईंटों से बनाये गये हैं।

गुप्तकालीन महत्त्वपूर्ण मंदिर मंदिर स्थान

1- विष्णुमंदिर तिगवा (जबलपुर मध्य प्रदेश)
2- शिव मंदिर भूमरा (नागोद मध्य प्रदेश)
3- पार्वती मंदिर नचना-कुठार (मध्य प्रदेश)
4- दशावतार मंदिर देवगढ़ (झांसी, उत्तर प्रदेश)
5- शिवमंदिर खोह (नागौद, मध्य प्रदेश)
6- भीतरगांव का मंदिर लक्ष्मण मंदिर (ईंटों द्वारा निर्मित) भितरगांव (कानपुर, उत्तर प्रदेश)

प्रमुख मंदिर –

- गुप्त काल में मंदिर बनाने का विकास प्रारम्भ हो गया था। गुप्त काल स्थापत्य काला, साहित्य और संस्कृति के लिए स्वर्ण युग कहा गया है।
- गुप्त काल की वास्तुकला को सात भागों में बाँटा जा सकता है- राजप्रासाद, आवासीय गृह, गुहाएँ, मन्दिर, स्तूप, विहार तथा स्तम्भ।

- राजप्रासाद की बहुत प्रशंसा की है। इस समय के घरों में कई कमरे, दालान तथा आँगन होते थे। छत पर जाने के लिए सीढ़ियाँ होती थीं जिन्हें सोपान कहा जाता था। प्रकाश के लिए रोशनदान बनाये जाते थे जिन्हें वातायन कहा जाता था।
- गुप्तकाल में ब्राह्मण धर्म के प्राचीनतम गुहा मंदिर निर्मित हुए। ये भिलसा (मध्य-प्रदेश) के समीप उदयगिरि की पहाड़ियों में स्थित हैं। ये गुहाएँ चट्टानें काटकर निर्मित हुई थीं। उदयगिरि के अतिरिक्त अजन्ता, एलोरा, औरंगाबाद और बाघ की कुछ गुफाएँ गुप्तकालीन हैं।
- गुप्तकाल में मूर्तिकला के प्रमुख केन्द्र मथुरा, सारनाथ और पाटिलपुत्र थे। गुप्तकालीन मूर्तिकला की विशेषताएँ हैं कि इन मूर्तियों में भद्रता तथा शालीनता, सरलता, आध्यात्मिकता के भावों की अभिव्यक्ति, अनुपातशीलता आदि गुणों के कारण ये मूर्तियाँ बड़ी स्वाभाविक हैं।
- इस काल में भारतीय कलाकारों ने अपनी एक विशिष्ट मौलिक एवं राष्ट्रीय शैली का सृजन किया था, जिसमें मूर्ति का आकार गात, केशराशि, माँसपेशियाँ, चेहरे की बनावट, प्रभामण्डल, मुद्रा, स्वाभाविकता आदि तत्त्वों को ध्यान में रखकर मूर्ति का निर्माण किया जाता था। यह भारतीय एवं राष्ट्रीय शैली थी।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

गुप्त काल की मूर्तिकला

गुप्त मूर्तियां उस कलात्मक प्रतिभा को दर्शाती हैं जो गुप्त वंश में प्रमुख थी। भारत ने 4 वीं शताब्दी में गुप्त साम्राज्य के रूप में एक और युग की शुरुआत देखी। और गुप्त काल की शुरुआत के साथ, देश को मूर्तिकला ककी शास्त्रीय रूप में……………………

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान**

Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

गुप्त काल में साहित्य

गुप्तकाल में ही अधिकांश पुराणों का संकलन हुआ। प्रारम्भ में पुराण रचना से चारण लोग जुड़े हुए थे। उन चारणों में लोमहर्ष और उसके पुत्र उग्रसर्व प्रमुख हैं। अधिकांश पुराणों से वे जुड़े हुए थे, किन्तु आगे चलकर पुराण रचना का कार्य ब्राह्मणों के हाथों में चला गया।

गुप्त काल में संस्कृत भाषा और साहित्य का अप्रतिम विकास हुआ। संस्कृत का प्रयोग शिलालेख, स्तम्भलेख, दान-पत्र लेख आदि में हुआ। इसी भाषा में इस युग के महान् कवियों और साहित्यकारों ने अपनी अनेक कालजयी रचनाओं का प्रणयन किया।

इस काल में एक ओर प्रतिभाशाली सम्राट् हुए, तो दूसरी ओर कवि, गद्यकार, वैज्ञानिक एवं नाट्य ग्रन्थों के प्रणेता भी आविर्भूत हुए। गुप्तकालीन साहित्य को निम्नांकित कोटियों में विभाजित किया जा सकता है प्रशस्तियाँ, काव्यग्रन्थ, नाटक, नीतिग्रन्थ, स्मृतिग्रन्थ, कोश, व्याकरण, दर्शनग्रन्थ और विज्ञान।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

गुप्त काल की प्रमुख साहित्यिक रचनायें -

*गुप्त काल को संस्कृत साहित्य का **स्वर्ण युग** माना जाता है। **बार्नेट** के अनुसार 'प्राचीन भारत के इतिहास में गुप्त काल का वह महत्त्व है जो यूनान के इतिहास में पेरिक्लीयनयुग का है।' **स्मिथ** ने गुप्त काल की तुलना ब्रिटिश इतिहास के 'एजिलाबेथन' तथा 'स्टुअर्ट' के कालों से की है। गुप्त काल को श्रेष्ठ कवियों का काल माना जाता है। इस काल के कवि को दो भागों में बांटा गया है,-*

प्रथम भाग में वे कवि आते हैं जिनके विषय में हमें अभिलेखों से जानकारी मिलती है हालांकि इनकी किसी भी कृति के विषय में...........................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

मुगल कालीन स्थापत्य कला, वास्तुकला चित्रकला

स्थापत्य कला (वास्तुकला) Architecture

- अन्य कलाओं के अनुरूप वास्तुकला के क्षेत्र में मुगलकाल नवीनताओं और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के साथ-साथ तुर्क अफगान काल में प्रारंभ प्रवृत्तियों के विकास के चरमोत्कर्ष की ओर उन्मुख प्रक्रियाओं का युग था ।
- सम्पूर्ण मुगलकाल की वास्तुकलात्मक शैली पर हिन्दू प्रभाव बना रहा.
- इस कला में फारस, तुर्की, मध्य एशिया, गुजरात, जौनपुर, बंगाल आदि शैलियों का अनोखा मिश्रण हुआ.
- स्मिथ ने मुगल वास्तुकला को 'कला की रानी' कहा तथा पर्सी ब्राउन ने इस कला को भारतीय वास्तु कला '**ग्रीष्म काल**' कहा, जो प्रकाश व उर्वरा का प्रतीक है ।
- मुगल स्थापत्यकला के विकास की पहली सीढ़ी 'फतेहपुर सीकरी' आदि के निर्माण में तथा इसकी चरम परिणति शाहजहाँ के शाहजहानाबाद नगर के निर्माण में दिखाई देती है ।
- इस काल के वास्तुकला के क्षेत्र में पहली बार आकार एवं डिजाइन की विविधता का प्रयोग तथा निर्माण के लिए पत्थर के अलावा पलस्तर एवं गच्चीकारी (Stuceo) का प्रयोग किया गया.
- सजावट के लिए संगमरमर पर जवाहरात से की गई जड़ावट 'पित्रा ड्यूरा' (Pietra Duro) का प्रयोग किया गया.
- पित्रा ड्यूरा का प्रयोग इस काल की एक विशेषता थी ।

पित्रा ड्यूरा के लिए पत्थरों को काटकर फूल-पत्ते, बेलबूटे को सफेद संगमरमर में जड़ा.....................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

आगरा का किला

- अकबर के मुख्य वास्तुकार कासिम खाँ के नेतृत्व में 1566 ई. में इस .
- किले का निर्माण कार्य शुरू किया.
- यमुना नदी के किनारे 1½ मील में फैले इस किले के निर्माण में 15 वर्ष तथा 35 लाख रुपये खर्च हुए.
- अकबर ने इसकी मेहराबों पर कुरान की आयतों के स्थान पर पशु-पक्षी, फूल-पत्तों की आकृतियों को खुदवाया.
- इस किले के पश्चिमी भाग में स्थित 'दिल्ली दरवाजे' का निर्माण 1566 ई. में किया गया.
- किला का दूसरा दरवाजा 'अमरसिंह दरवाजा' के नाम से प्रसिद्ध है ।
- किले के अन्दर अकबर ने लगभग 500 निर्माण कराए हैं, जिनमें लाल पत्थर तथा गुजराती एवं बंगाली शैली का प्रयोग हुआ है ।

जहाँगीरी महल

- जहाँगीरी महल ग्वालियर के राजा मानसिंह के महल की नकल है ।
- यह अकबर का उत्कृष्ट निर्माण कार्य है ।
- महल के चार कोनों में चार बड़ी छतरियाँ हैं तथा महल में प्रवेश के लिए बनाया गया दरवाजा नोकदार मेहराब का है ।
- पूर्णतः हिन्दू शैली में निर्मित इस महल में संगमरमर का अत्यल्प प्रयोग हुआ है ।
- कड़ियाँ तथा तोड़े का प्रयोग इसकी विशेषता है ।
- जहाँगीरी महल के दाहिनी ओर अकबरी महल का निर्माण हुआ था ।
- जहाँगीरी महल की सुन्दरता का अकवरी महल में अभाव है ।

फतेहपुर सीकरी

- शेख सलीम चिश्ती के प्रति आदर प्रकट करने के उद्देश्य से अकबर ने 1571 ई में फतेहपुर सीकरी के निर्माण का आदेश दिया.

अकबर ने 1570 ई. में गुजरात को जीतकर इसका नाम फतेहपुर सीकरी या विजय नगरी रखा तथा 1571 ई. में इसे.........................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान 1st Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान 1st Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

ताज महल (Taj Mahal)

- एल. मुखर्जी ने ताज महल (Taj Mahal) के बारे में लिखा है कि-
- "शाहजहाँ अपनी प्रिय पत्नी मुमताजमहल की समाधि पर निर्मित, भव्य एवं आकर्षक मकबरा-विश्वविख्यात ताजमहल, मुगलकला का सर्वोत्कृष्ट पुष्प है। "
- इसका निर्माण 'उस्ताद ईसा खाँ' (शाहजहाँ की देख-रेख में) द्वारा सम्पन्न करवाया गया था।
- मकबरे की योजना '**उस्ताद अहमद लाहौरी**' ने तैयार की थी।
- शाहजहाँ ने लाहौरी को 'नादिर-उल-अस्र' की उपाधि प्रदान की थी।
- ताज के निर्माण में सहायता के लिए लाहौरी ने बगदाद तथा शिराज से हस्तकला विशेषज्ञ, कुस्तुनतुनिया से गुम्बदकला विशेषज्ञ, बुखारा से फूल-पत्ते की खुदाई विशेषज्ञ, समरकन्द से शिखर निर्माण एवं बाग-बगीचा निर्माण विशेषज्ञों को बुलाया था।
- ताज में भारत, ईरान तथा मध्य एशिया की भवन निर्माण शैलियों का सामंजस्यपूर्ण संयोजन हुआ है।
- ताज का रूपांकन तथा ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

मुगलकालीन साहित्य की स्थिति

तुजुक-ए-बाबरी

तुजुक-ए-बाबरी या बाबरनामा बाबर की आत्मकथा है जिसे बाबर ने तुर्की भाषा में लिखा है। मुग़ल काल के दौरान कई लेखकों ने इस किताब का फारसी में अनुवाद किया। इसके बाद इसका कई यूरोपीय भाषाओँ में भी अनुवाद हुआ। तुजुक-ए-बाबरी की प्रशंसा कई इतिहासकारों ने की है, और कुछ ने इसे भारत के वास्तविक इतिहास का एक मात्र स्रोत माना है। इस किताब में न सिर्फ बाबर के जीवन की घटनाओं के विषय में जानकारी मिलती है, बल्कि इससे उसके चरित्र, व्यक्तित्व, ज्ञान, क्षमता, कमजोरी के बारे में भी जानकारी मिलती है। यह कहा जा सकता है की इस किताब में बाबर ने सच्चाई लिखने की पूरी कोशिश की है। बाबर ने अपने दोस्तों के साथ शराब और......................

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

अध्याय – 5

राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता

वी.डी. सावरकर (विनायक दामोदर सावरकर)

- वीर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को नासिक के भगूर गांव में हुआ। उनके पिता का नाम दामोदर पंत सावरकर था, जो गांव के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में जाने जाते थे। उनकी माता का नाम राधाबाई था। जब विनायक 9 साल के थे, तब ही उनकी माता का देहांत हो गया था।
- उनका पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर था। बचपन से ही वे पढ़ाकू थे। बचपन में उन्होंने कुछ कविताएं भी लिखी थीं। उन्होंने शिवाजी हाईस्कूल, नासिक से 1901 में मैट्रिक की परीक्षा पास की।
- आजादी के लिए काम करने के लिए उन्होंने एक गुप्त सोसायटी बनाई थी, जो 'मित्र मेला' के नाम से जानी गई। 1905 के बंग-भंग के बाद उन्होंने पुणे में विदेशी वस्त्रों की होली जलाई। फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे में पढ़ने के दौरान भी वे राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत ओजस्वी भाषण देते थे।
- तिलक की अनुशंसा पर 1906 में उन्हें श्यामजी कृष्ण वर्मा छात्रवृत्ति मिली। 'इंडियन सोसियोलॉजिस्ट' और 'तलवार' में उन्होंने अनेक लेख लिखे, जो बाद में कोलकाता के 'युगांतर' में भी छपे।

वे रूसी क्रांतिकारियों से........................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान**

Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा I यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद I

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

- ***बाल गंगाधर का बचपन***
- *बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई, सन 1856 ई. को भारत के रत्नागिरि नामक स्थान पर हुआ था।*
- *इनका पूरा नाम लोकमान्य श्री बाल गंगाधर तिलक था। तिलक का जन्म एक सुसंस्कृत, मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री गंगाधर रामचंद्र तिलक था।*
- *श्री गंगाधर रामचंद्र तिलक पहले रत्नागिरि में सहायक अध्यापक थे और फिर पूना तथा उसके बाद ठाणे में सहायक उप शैक्षिक निरीक्षक हो गए थे। वे अपने समय के अत्यंत लोकप्रिय शिक्षक थे।*
- *लोकमान्य तिलक के पिता श्री गंगाधर रामचंद्र तिलक का सन 1872 ई. में निधन हो गया.*

प्रारम्भिक शिक्षा मराठी में प्राप्त करने के बाद गंगाधर को अंग्रेजी स्कूल में पढ़ने के लिए पूना भेजा गया। उन्होंने डेक्कन कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। उनका सार्वजनिक जीवन 1880 में एक शिक्षक और...............

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

राजस्थान का इतिहास

अध्याय – 1

राजस्थान की प्राचीन संस्कृति और सभ्यता

1. 1. कालीबंगा की सभ्यता -

कालीबंगा की सभ्यता एक नदी के किनारे बसी हुई थी। नदी का नाम है – सरस्वती नदी। इसे द्रेषनदी, मृतनदी, नटनदी के नाम से भी जानते हैं।
यह सभ्यता हनुमानगढ़ जिले में विकसित हुई थी हनुमानगढ़ जिले में एक अन्य सभ्यता जिसे पीलीबंगा की सभ्यता कहते हैं विकसित हुई।

इस सभ्यता की खोज -

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- इस सभ्यता की सबसे पहले जानकारी देने वाले एक पुरातत्ववेत्ता एवं भाषा शास्त्री एल.पी. तेस्सितौरी थे। इन्होंने ही इस सभ्यता के बारे में सबसे पहले परिचय दिया लेकिन इस सभ्यता की तरफ किसी का पूर्णरूप से ध्यान नहीं था इसलिए इसकी खोज नहीं हो पाई।
- इस सभ्यता के खोजकर्ता अमलानंद घोष हैं। इन्होंने 1952 में सबसे पहले इस सभ्यता की खोज की थी।
- इनके बाद में इस सभ्यता की खोज दो अन्य व्यक्तियों के द्वारा भी की गई थी जो 1961 से 1969 तक चली थी।

  1. बृजवासीलाल (बी.बी. लाल)
  2. बीके (बालकृष्ण) थापर इन्हीं दोनों ने इस सभ्यता की विस्तृत रूप से खोज की थी

- इस सभ्यता का कालक्रम कार्बन डेटिंग पद्धति के अनुसार 2350 ईसा पूर्व से 1750 ईसा पूर्व माना जाता है।
- कालीबंगा शब्द "सिंधीभाषा" का एक शब्द है जिसका शाब्दिक अर्थ होता है - "काले रंग की चूड़ियां"। इस स्थल से काले रंग की चूड़ियों के बहुत सारी ढेर प्राप्त हुए इसलिए इस सभ्यता को कालीबंगा सभ्यता नाम दिया गया।
- कालीबंगा की सभ्यता भारत की ऐसी पहली सभ्यता स्थल है जो स्वतंत्रता के बाद खोजी गई थी। यह एक कांस्य युगीन सभ्यता है।
- हनुमानगढ़ जिले से इस सभ्यता से संबंधित जो भी वस्तुएं प्राप्त हुई है उनको सुरक्षित रखने के लिए राजस्थान सरकार के द्वारा 1985-86 में कालीबंगा संग्रहालय की स्थापना की गई थी । यह संग्रहालय हनुमानगढ़ जिले में स्थित है।

इस सभ्यता की विशेषताएं –

- इस सभ्यता की सड़कें एक दूसरे को समकोण पर काटती थी । इसलिए यहाँ पर मकान बनाने की पद्धति को "ऑक्सफोर्ड पद्धति" कहते हैं। इसी पद्धति को जाल पद्धति, ग्रीक, चेम्सफोर्ड पद्धति के नाम से भी जानते हैं।
- मकान कच्ची एवं पक्की ईंट के बने हुए थे, आरम्भ में यें कच्ची ईंटें थीं इसलिए इस सभ्यता को दीन हीन सभ्यता भी कहते हैं। इन ईंटों का आकार 30×15×7.5 है ।
- इन मकानों की खिड़की एवं दरवाजे पीछे की ओर होते थे ।
- यहाँ पर जो नालियां बनी हुई थी वह लकड़ी (काष्ठ) की बनी होती थी। आगे चलकर इन्हीं नालियों का निर्माण पक्की ईंटों से होता था (विश्व में एकमात्र ऐसा स्थान जहां लकड़ियों की बनी नालियां मिली है वह कालीबंगा स्थल है)

विश्व की प्राचीनतम जुते हुए.......................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

2. बैराठ (जयपुर) :

- बैराठ जयपुर जिले में शाहपुरा उपखण्ड में बाण गंगा नदी के किनारे स्थित लौह युगीन स्थल है।
- बैराठ का प्राचीन नाम "विराट नगर" ' था। महाजनपद काल में यह मत्स्य जनपद की राजधानी था।
- यहाँ पर उत्खनन कार्य वर्ष 1936-37 में दयाराम साहनी द्वारा तथा 1962-63 में नीलरत्न बनर्जी तथा कैलाश नाथ दीक्षित द्वारा किया गया।
- वर्ष 1837 में कैप्टन बर्ट ने यहाँ से मौर्य सम्राट अशोक के भाब्रू शिलालेख की खोज की । वर्तमान में यह शिलालेख कलकत्ता संग्रहालय में सुरक्षित है।
- भाब्रू शिलालेख में सम्राट अशोक को मगध का राजा 'नाम से संबोधित किया गया है।
- भाब्रू शिलालेख के नीचे बुद्ध, धम्म एवं संघ लिखा हुआ है।
- बैराठ में बीजक की पहाड़ी, भीम जी की डूंगरी तथा महादेव जी की डूंगरी से उत्खनन कार्य किया गया ।
- यहाँ से मौर्य कालीन तथा इसके बाद के समय के अवशेष मिले हैं।
- यहाँ से 36 मुद्राएँ प्राप्त हुई हैं, जिनमें 8 पंचमार्क चाँदी की तथा 28 इण्डो-ग्रीक तथा यूनानी शासकों की है । 16 मुद्राएँ यूनानी शासक मिनेण्डर की हैं।

उत्तर भारतीय चमकीले मृदभाण्ड वाली संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले......................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान 1st Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा /

यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

अध्याय – ५

दिल्ली सल्तनत के साथ संबंध

मेवाड़, रणथम्भौर और जालौर

मेवाड़ का इतिहास

मेवाड़ रियासत के प्रमुख शासको का कालक्रम निम्न प्रकार से हैं :-

गुहिल वंश के शासक

गुहिल

राजा गुहिल का जीवन परिचय :-

- विजयभूप ने अपनी राजधानी को अयोध्या से वल्लभीनगर में स्थानांतरित किया। यहाँ इनका शासन सदियों तक रहा । विजयभूप की 6वीं पीढ़ी में शिलादित्य नामक व्यक्ति वल्लभीनगर का शासक बना ।
- राजस्थान के आबू में उस समय परमार वंश का शासन था, जिनकी राजधानी चंद्रावती थी । परमारों की राजकुमारी पुष्पावती के साथ शिलादित्य का विवाह हो जाता है ।
- पुष्पावती के छः पुत्रियाँ होती हैं लेकिन दोनों को एक पुत्र की चाह थी। अगली बार जब पुष्पावती गर्भवती होती है तो वह पुत्र प्राप्ति की मन्नत मांगने के लिए आबू के पास अबुर्दा देवी मंदिर चली जाती है ।
- पुष्पावती के आबू जाने के बाद पीछे से वल्लभीनगर पर पड़ोसी राज्य ने आक्रमण कर दिया । इस आक्रमण में राजा शिलादित्य व बाकी परिवार के लोग मारे जाते हैं ।
- शिलादित्य के एक सेवक ने आबू पहुंचकर रानी पुष्पावती को इस बात की सूचना दी । पुष्पावती ने अपने पति शिलादित्य की मृत्यु के दुख में सती होने का फैसला किया

लेकिन गर्भावस्था में होने के कारण उनकी सखियों ने ऐसा करने से उन्हें रोक दिया। स्थिति ऐसी हो गई थी कि अब वह अपने मायके भी नहीं जा सकती थीं

- अतः उन्होंने अन्यत्र जाने का फैसला किया । रानी पुष्पावती अपनी सखियों व सेवक के साथ जंगल के रास्ते होते हुए कुछ दिनों बाद आबू व वल्लभीनगर के मध्य स्थित वीरनगर नामक स्थान पर पहुंची।
- यहाँ वह कमलाबाई नामक एक विधवा व निसंतान ब्राह्मणी के घर रहने लगीं । कुछ माह बाद पुष्पावती ने एक बच्चे को जन्म दिया जिसे वह कमलाबाई को सौंपकर स्वयं सती हो गई। ऐसा माना जाता है कि पुष्पावती ने बच्चे को गुफा में जन्म दिया था इसीलिए बच्चे का नाम गुहिल रखा दिया गया । बच्चे का पालन-पोषण ब्राह्मणी ने ही किया था।
- बालक गुहिल बचपन से ही होनहार व साहसिक परवर्ती का था । भीलों के साथ उसके अच्छे संबंध थे । वह इन भील बालकों के साथ ही खेलता हुआ बड़ा हो गया ।
- बड़ा होने पर उसे ब्राह्मणी द्वारा अपने वंश व अपने माँ-बाप के बारे में पता चला । गुहिल इसका प्रतिशोध लेने के उद्देश्य से वल्लभीनगर पहंचा लेकिन वहां उस समय तक उसके शत्रु का राज्य नष्ट हो चुका था ।
- अतः गुहिल वल्लभीनगर से पुनः वीरनगर लौट आया। वीरनगर आने के बाद गुहिल ने मेवाड़ पर (ईडर के आसपास का क्षेत्र) आक्रमण करने का निश्चय किया। उस समय मेवाड़ पर मेद जाति का शासन था ।

गुहिल ने भीलों से......................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान 1st Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा /

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

अध्याय – 6

1857 और राजस्थान का स्वतंत्रता संग्राम

- 1857 के विद्रोह के संदर्भ में विभिन्न मत (Different views in reference to the revolt of 1857)
  - डॉ. रामविलास शर्मा- यह स्वतंत्रता संग्राम था ।
  - डॉ. रामविलास शर्मा– यह जनक्रांति थी ।
  - डिजरायली बेंजामिन डिजरैली – यह राष्ट्रीय विद्रोह था ।
  - वी. डी. सावरकर- यह स्वतंत्रता की पहली लड़ाई थी (पुस्तक द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस) ।
  - एस.एन. सेन- यह विद्रोह राष्ट्रीयता के अभाव में स्वतंत्रता संग्राम था ।
  - सर जॉन लॉरेंस, के. मैलेसन, ट्रैविलियन, सीले- 1857 की क्रांति एक सिपाही विद्रोह था (इस विचार से भारतीय समकालीन लेखक मुंशी जीवनलाल दुर्गादास बंदोपाध्याय सैयद अहमद खाँ भी सहमत हैं ।)
  - जवाहरलाल नेहरु - यह विद्रोह मुख्यतः सामन्तशाही विद्रोह था ।
  - सर जेम्स आउट्रम और डब्लयू टेलर ने इसको - यह विद्रोह हिंदू-मुस्लिम का परिणाम था कहा है ।
  - क्रांति के प्रमुख कारण (Reason of 1857 Revolution)
  - देशी रियासतों के राजा मराठा व पिण्डारियों से छुटकारा पाना चाहते थे।
  - लॉर्ड डलहौजी की राज्य विलय की नीतियाँ ।
  - चर्बी लगे कारतुस का प्रयोग (एनफील्ड) ।
  - 1857 के विद्रोह का प्रारंभ 29 मार्च 1857 को बैरकपुर छावनी (पश्चिम बंगाल) की 34वीं नेटिव इन्फेंट्री के सिपाही मंगल पांडे के विद्रोह के साथ हुआ किन्तु संगठित क्रांति 10 मई 1857 को मेरठ (उत्तर प्रदेश) छावनी से प्रारंभ हुई थी ।

- 1857 की क्रांति का तत्कालीन कारण चर्बी वाले कारतूस माने जाते हैं, जिनका प्रयोग एनफील्ड राइफल में किया जाता था । इस रायफल के बारे में भारतीय सैनिकों में अफवाह फैली की इनमें लगने वाले कारतूसों में गाय तथा सूअर की चर्बी लगी होती है ।
- कारतूस का प्रयोग करने से पूर्व उसके खोल को मुंह से उतरना पड़ता था जिससे हिंदू तथा मुस्लिमों का धर्म भ्रष्ट होता है । परिणाम स्वरूप 1857 का विद्रोह प्रारंभ हुआ ।
- 1857 की क्रांति के समय राजपूताना उत्तरी पश्चिमी सीमांत प्रांत के प्रशासनिक नियंत्रण में था जिसका मुख्यालय आगरा में था इस प्रांत का लेफ्टिनेंट गवर्नर कोलविन था ।
- अजमेर- मेरवाड़ा का प्रशासन कर्नल डिक्सन के हाथों में था क्रांति के समय राजपुताना का ए.जी.जी जॉर्ज पैट्रिक लॉरेंस था जिस का मुख्यालय माउंट आबू में स्थित था अजमेर राजपूताना की प्रशासनिक राजधानी था और अजमेर में ही अंग्रेजों का खजाना और शस्त्रागार स्थित था ।
- अजमेर की रक्षा की जिम्मेदारी 15वीं नेटिव इन्फैंट्री बटालियन के स्थान पर ब्यावर से बुलाई गई, लेफ्टिनेंट कारनेल के नेतृत्व वाली रेजिमेंट को दे दी गई मेरठ विद्रोह की खबर 19 मई 1857 को माउंट आबू पहुंची ।

इस क्रांति का प्रतीक चिह्न रोटी और कमल का फूल था

राजस्थान में क्रांति के समय पॉलिटिकल एजेंट (Rajasthan Political agent in evolution)

1. कोटा रियासत में - मेजर बर्टन
2. जोधपुर रियासत में - मेक मैंसन
3. भरतपुर रियासत में - मोरिशन
4. जयपुर रियासत में – कर्नल ईडन

5. उदयपुर रियासत में - शावर्स और

6. सिरोही रियासत में - जे.डी.हॉल थे

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान 1st Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान 1st Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

समाज एवं धर्म

अध्याय - 1

लोक देवता और लोक देवियाँ

राजस्थान के प्रमुख लोक देवता और देवियाँ निम्नलिखित है –

(1) गोगाजी चौहान

राजस्थान के प्रमुख लोक देवता गोगाजी राठौर का वर्णन-

पंच पीरों में सर्वाधिक प्रमुख स्थान।

जन्म - संवत् 1003 में, जन्म स्थान - ददरेवा (चूरू)।

ये चौहान वंश के थे

पिता - जेवरजी चौहान, माता - बाछल दे,

पत्नी - कोलुमण्ड (फलौदी, जोधपुर) की राजकुमारी केलमदे (मेनलदे)।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- केलमदे की मृत्यु साँप के कांटने से हुई जिससे क्रोधित होकर गोगाजी ने अग्नि अनुष्ठान किया। जिसमें कई साँप जलकर भस्म हो गये फिर साँपों के मुखिया ने आकर उनके अनुष्ठान को रोककर केलमदे को जीवित करते हैं। तभी से गोगाजी नागों के देवता के रूप में पूजे जाते हैं।
- गोगाजी का अपने मौसेरे भाईयों अर्जन व सुर्जन के साथ जमीन जायदाद को लेकर झगड़ा था। अर्जन - सुर्जन ने मुस्लिम आक्रान्ताओं (महमूद गजनवी) की मदद से गोगाजी पर आक्रमण कर दिया। गोगाजी वीरतापूर्वक लड़कर शहीद हुए।
- युद्ध करते समय गोगाजी का सिर ददरेवा (चूरू) में गिरा इसलिए इसे शीर्ष मेडी (शीषमेडी) तथा धड़ नोहर (हनुमानगढ़) में गिरा इसलिए इसे धड़मेड़ी/धुरमेड़ी/गोगामेड़ी भी कहते हैं।

- बिना सिर के ही गोगाजी को युद्ध करते हुए देखकर महमूद गजनवी ने गोगाजी को जाहिर पीर (प्रत्यक्ष पीर) कहा।
- उत्तर प्रदेश में गोगाजी को जहर उतारने के कारण जहर पीर/जाहर पीर भी कहते हैं।
- गोगामेड़ी का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया। गोगामेड़ी के मुख्य द्वार पर बिस्मिल्लाह लिखा है तथा इसकी आकृति मकबरेनुमा है। गोगामेड़ी का वर्तमान स्वरूप बीकानेर के महाराजा गंगासिंह की देन है। प्रतिवर्ष गोगानवमी (भाद्रपद कृष्णा नवमी) को गोगाजी की याद में गोगामेड़ी, हनुमानगढ़ में भव्य मेला भरता है।
- गोगाजी की आराधना में श्रद्धालु सांकल नृत्य करते हैं।
- गोगामेड़ी में एक हिन्दू व एक मुस्लिम पुजारी हैं।
- प्रतीक चिह्न - सर्प।
- खेजड़ी के वृक्ष के नीचे गोगाजी का निवास स्थान माना जाता है।
- गोगाजी की ध्वजा सबसे बड़ी ध्वजा मानी जाती है।
- 'गोगाजी की ओल्डी' नाम से प्रसिद्ध गोगाजी का अन्य पूजा स्थल - साँचौर (जालौर)।
- गोगाजी से सम्बन्धित वाद्य यंत्र - डेरू।
- किसान वर्षा के बाद खेत जोतने से पहले हल व बैल को गोगाजी के नाम की राखी गोगा राखड़ी बांधते हैं।
- सवारी - नीली घोड़ी।
- गोगा बाप्पा नाम से भी प्रसिद्ध हैं।

(2) पाबूजी राठौड़ -

जन्म - 1239 ई. में, जन्म स्थान - कोलुमण्ड गाँव (फलौदी, जोधपुर) में हुआ ।

पिता - धाँधल जी राठौड़, माता - कमलादे,

पत्नी – फूलमदे/ सुपियार दे सोढ़ी।

- फूलमदे अमरकोट के राजा सूरजमल सोढ़ा की पुत्री थी।

- पाबूजी की घोड़ी- केसर कालमी (यह काले रंग की घोड़ी उन्हें देवल चारणी ने दी, जो जायल नागौर के काछेला चारण की पत्नी थी)।
- सन् 1276 ई. में जोधपुर के देचू गाँव में देवलचारणी की गायों को जींद राव खींची से छुड़ाते हुए पाबूजी वीर गति को प्राप्त हुए, पाबूजी की पत्नी उनके वस्त्रों के साथ सती हुई। इस युद्ध में पाबूजी के भाई बूड़ोजी भी शहीद हुए।
- पाबूजी के भतीजे व बूड़ोजी के पुत्र रूपनाथ जी ने जींदराव खींची को मारकर अपने पिता व चाचा की मृत्यु का बदला लिया। रूपनाथ जी को भी लोकदेवता के रूप में पूजते हैं। राजस्थान में रूपनाथ जी के प्रमुख मंदिर कोलुमण्ड (फलौदी, जोधपुर) तथा सिम्भूदड़ा (नोखा मण्डी, बीकानेर) में हैं। हिमाचल प्रदेश में रूपनाथ जी को बालकनाथ नाम से भी जाना जाता है।
- पाबूजी की फड़ नायक जाति के भील भोपे रावण हत्था वाद्य यंत्र के साथ बाँचते हैं।

फड़/पड़ - किसी भी महत्पूर्ण घटना या महापुरुष की जीवनी का कपड़े पर चित्रात्मक अंकन ही फड़/पड़ कहलाता है। फड़ का वाचन केवल रात्रि में होता है। फड़-वाचन के ....

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

राजस्थान की लोक देवियाँ

करणी माता

- करणी माता चारणों की कुलदेवी एवं बीकानेर के राठौड़ों की इष्ट देवी है
- 'चूहों वाली देवी' के नाम से विख्यात है ।
- जन्म सुआप गाँव (जोधपुर) के चारण परिवार में हुआ था ।
- मंदिर - देशनोक (बीकानेर)।

करणी जी के काबे

- करणी माता के मंदिर में पाए जाने वाले सफेद चूहों को **काबा** कहा जाता है।

- यहाँ सफेद चूहे के दर्शन करण जी के दर्शन माने जाते हैं।
- राव जोधा के समय मेहरानगढ़ दुर्ग की नींव करणी माता ने रखी।
- करणी माता की गायों का ग्वाला-दशरथ मेघवाल था ।
- राव कान्ह ने इनकी गायों पर हमला किया ।
- महाराजा गंगासिंह ने इस मंदिर के लिए चांदी के किवाड़ भेंट किया ।
- इनके बचपन का नाम रिद्धु बाई था।
- करणी माता का मंदिर को मठ कहलता है ।
- अवतार - जगतमाता
- उपनाम – काबा वाली माता, चूहों की देवी ।
- करणी जी की इष्ट देवी 'तेमड़ा माता' हैं । करणी जी के मंदिर के पास तेमड़ाराय देवी का भी मंदिर है ।
- सफेदचील को करणी माता का रूप माना जाता है ।

करणी जी के मठ के पुजारी चारण.........................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

अध्याय – 5

मेले और त्यौहार

राजस्थान के प्रमुख मेले

अजमेर के मेले

- **पुष्कर मेला** - यह मेला पुष्कर (अजमेर) में कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक भरता है। यह राजस्थान का सबसे बड़ा सांस्कृतिक मेला/ सबसे बड़ा रंगीन/रंग बिरंगा / सर्वाधिक विदेशी पर्यटकों का आगमन वाला मेला है। ख्वाजा साहब का उर्स - यह उर्स अजमेर में रज्जब माह की 1 से 6 तारीख तक भरता है। अढ़ाई दिन के झोपड़े में ।
- **कल्पवृक्ष मेला** - यह मेला मांगलियावास (अजमेर) में श्रावण मास की हरयाली अमावस्या को भरता है।
- **कार्तिक पशु मेला** - यह पशु मेला पुष्कर (अजमेर) में कार्तिक शुक्ल 8 से मार्गशीर्ष 2 तक भरता है।

अलवर के मेले

- **चंद्र प्रभु मेला** - यह मेला तिजारा, अलवर में फाल्गुन शुक्ला सप्तमी व श्रावण शुक्ला दशमी को भरता है।
- **नारायणी माता का मेला** - यह मेला बरवा डूंगरी सरिस्का (अलवर) में वैशाख शुक्ल एकादशी को भरता है।

हनुमानजी का मेला - यह मेला पांडुपोल (अलवर) में भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी को भरता है।

- **भृर्तहरि मेला** - यह मेला भृर्तहरि (महान योगी भृर्तहरि की तपो भूमि) पर अलवर में भाद्रपद शुक्ला अष्टमी को भरता है। यह कनफटे नाथों की तीर्थस्थली है ।

- ***बिलारी माता मेला*** - *बिलारी माता का यह मेला बिलारी (अलवर) में चैत्र शुक्ला अष्टमी को भरता है।*

बाड़मेर के मेले

- ***रणछोड़राय का मेला*** - *यह मेला बाड़मेर जिले के खेड़ क्षेत्र में प्रतिवर्ष राधाष्टमी, माघ पूर्णिमा, बैशाख एवं श्रावण मास की पूर्णिमा व कार्तिक पूर्णिमा भादवा सुदी चतुर्दशी को भरता है।*
- ***मल्लीनाथ पशु मेला*** - *यह मेला बाड़मेर जिले के तिलवाड़ा क्षेत्र में चैत्र कृष्णा एकादशी से चैत्र शुक्ला एकादशी तक भरता है।*
- ***हल्देश्वर महादेव शिवरात्रि मेला*** - *यह मेला बाड़मेर जिले के पीपलूद (छप्पन की पहाड़ियों के बीच यह मारवाड़ का लघु माउन्ट आबू है।) में शिवरात्रि के अवसर पर भरता है।*
- ***रानी भटियाणी का मेला*** - *यह मेला बाड़मेर जिले के जसोल क्षेत्र में कार्तिक वदी पंचमी को भरता है।*
- ***नाकोड़ाजी का मेला*** - *यह मेला बाड़मेर जिले के नाकोड़ा तीर्थ मेवानगर में पोष कृष्ण दशमी को भरता है।*
- ***बजरंग पशु मेला*** - *यह मेला बाड़मेर जिले के सिणधरी क्षेत्र में मंगसर वदी तृतीया को भरता है।*

<u>बीकानेर जिले के मेले</u>

- ***निर्जला ग्यारस मेला*** - *यह मेला बीकानेर जिले के लक्ष्मीनाथ मंदिर में ज्येष्ठ सुदी एकादशी को भरता है।*
- ***जम्भेश्वर मेला*** - *यह मेला बीकानेर जिले के मुकाम-तालवा (नोखा) में वर्ष में दो बार - फाल्गुन व आश्विन अमावस्या को भरता है।*

नागणेची माता का मेला - *यह मेला बीकानेर जिले में नवरात्रा के अवसर पर......................*

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

राजस्थान का भूगोल

अध्याय – 1

स्थिति एवं विस्तार

राजस्थान की स्थिति:- प्रिय छात्रों, राजस्थान की स्थिति को हम सर्वप्रथम पृथ्वी पर तत्पश्चात एशिया में और फिर भारत में देखेंगे ।

(1) राजस्थान की स्थिति "पृथ्वी" पर:- पृथ्वी पर राजस्थान की स्थिति को समझने से पहले निम्नलिखित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को समझना होगा –

(क)अंगारा लैंड / यूरेशियल प्लेट

(ख)गोंडवाना लैंड प्लेट

(ग) टेथिस सागर

(घ) पेंजिया

(ङ) पेंथाल्सा

नोट:- प्रिय छात्रों, कृपया ध्यान दें कि – आज से लाखों करोड़ों वर्ष पूर्व पृथ्वी दो भागों में विभाजित थी ।

1.स्थल

2.जल

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

जैसा कि आज भी दिखाई देता है, लेकिन वर्तमान में यदि हम स्थल मंडल को देखें तो हमें यह कई भागों में विभाजित दिखाई देता है, जैसे सात महाद्वीप अलग - अलग हैं। उनके भी कई देश एक - दूसरे से काफी अलग अलग है। लेकिन लाखों – करोड़ों वर्ष पूर्व संपूर्ण स्थलमंडल सिर्फ एक ही था। इसी स्थलीय क्षेत्र को "पेंजिया" के नाम से जानते थे तथा शेष बचे हुए भाग को (जल वाले क्षेत्र को) "पैंथाल्जा" के नाम से जानते थे। नीचे दिए गए मानचित्र से समझने की कोशिश कीजिए-

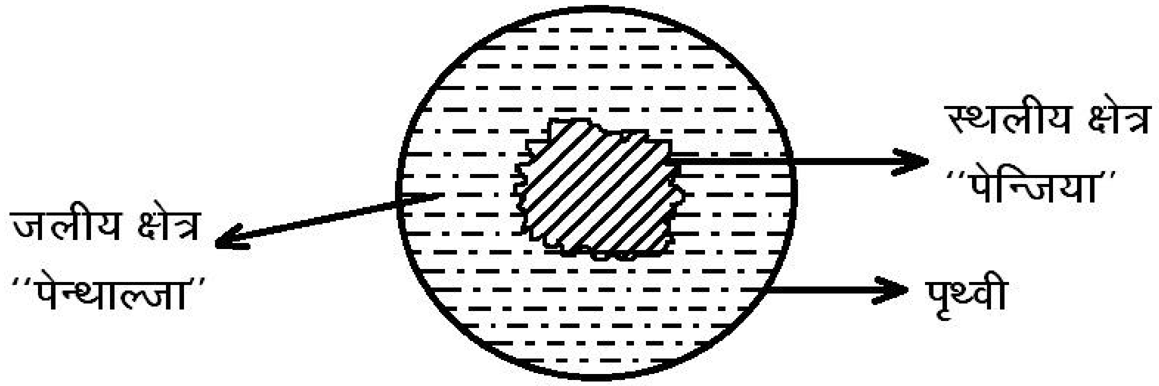

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रिय छात्रों, पृथ्वी परिक्रमण एवं परिभ्रमण गति करती है अर्थात् अपने स्थान पर भी (। दिन में) घूमती है, और सूर्य का चक्कर भी लगाती है। पृथ्वी की इस गति की वजह से स्थल मंडल की प्लेटों में हलचल होने की वजह से पेंजिया (स्थलीय क्षेत्र) दो भागों में विभाजित हो गया जिसके उत्तरी भाग में उत्तरी अमेरिका, यूरोप और उत्तरी एशिया का निर्माण हुआ। इस स्थलीय क्षेत्र को "अंगारा लैंड /यूरेशियन प्लेट" के नाम से जानते हैं।

इसके दूसरे भाग (दक्षिणी) में दक्षिणी अमेरिका, दक्षिणी एशिया, अफ्रीका तथा अंटार्कटिका का निर्माण हुआ, इस क्षेत्र को "गोंडवाना लैंड"'प्लेट' के नाम से जानते हैं।

दोनों प्लेटों के बीच में विशाल सागर था जिसे "टेथिस सागर" के नाम से जानते थे।- इसको नीचे दिए गए मानचित्र की सहायता से समझते हैं-

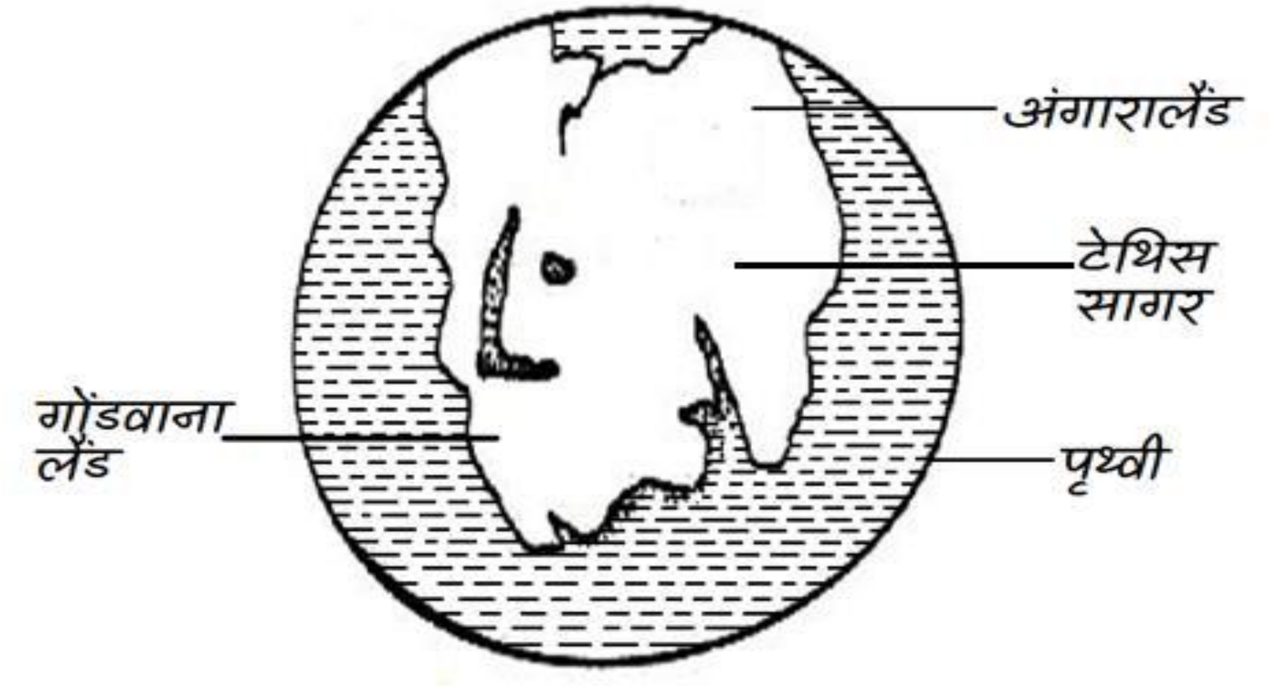

विशेष नोटः- *राजस्थान का पश्चिमी रेगिस्तान तथा रेगिस्तान में स्थित खारे पानी की झीलें "टेथिस सागर" के अवशेष है तथा राजस्थान का मध्यवर्ती पहाड़ी क्षेत्र (अरावली पर्वतमाला) एवं दक्षिण पूर्वी पठारी भाग "गोंडवाना लैंड" प्लेट के हिस्से हैं।*

टेथिस सागर- *टेथिस सागर को गोंडवाना लैंड प्लेट और यूरेशियल प्लेट के मध्य स्थित एक सागर के रूप में कल्पित किया जाता है जो कि एक छिछला और संकरा सागर था, और इसी में जमा अवसादों के प्लेट विवर्तनिकी के परिणाम स्वरुप अफ्रीकी और भारतीय प्लेटों के ....*

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान***

Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा। यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें**, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद।

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

विस्तारः-

राजस्थान राज्य की उत्तर से दक्षिण तक की कुल लंबाई 826 किलोमीटर है तथा इसका विस्तार उत्तर में श्रीगंगानगर जिले के कोणा गाँव से दक्षिण में बाँसवाड़ा जिले की कुशलगढ़ तहसील के बोरकुंड गाँव तक है।

इसी प्रकार पूर्व से पश्चिम तक की चौड़ाई 869 किलोमीटर है तथा विस्तार पूर्व में धौलपुर जिले के सिलाना गाँव से पश्चिम में जैसलमेर जिले के कटरा गाँव (सम-तहसील) तक है।

आकृति -

विषम कोणीय चतुर्भुज या पतंग के आकार के समान है।

राज्य की स्थलीय सीमा 5920 किलोमीटर (1070 अंतर्राष्ट्रीय व 4850 अंतर्राज्यीय) है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

रेडक्लिफ रेखा

रेडक्लिफ रेखा भारत और पाकिस्तान के मध्य स्थित है। इसके संस्थापक सर सिरिल एम रेडक्लिफ को माना जाता है। रेडक्लिफ रेखा 17 अगस्त 1947 को भारत विभाजन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा बन गई । इसकी भारत के साथ कुल सीमा 3310 किलोमीटर है।

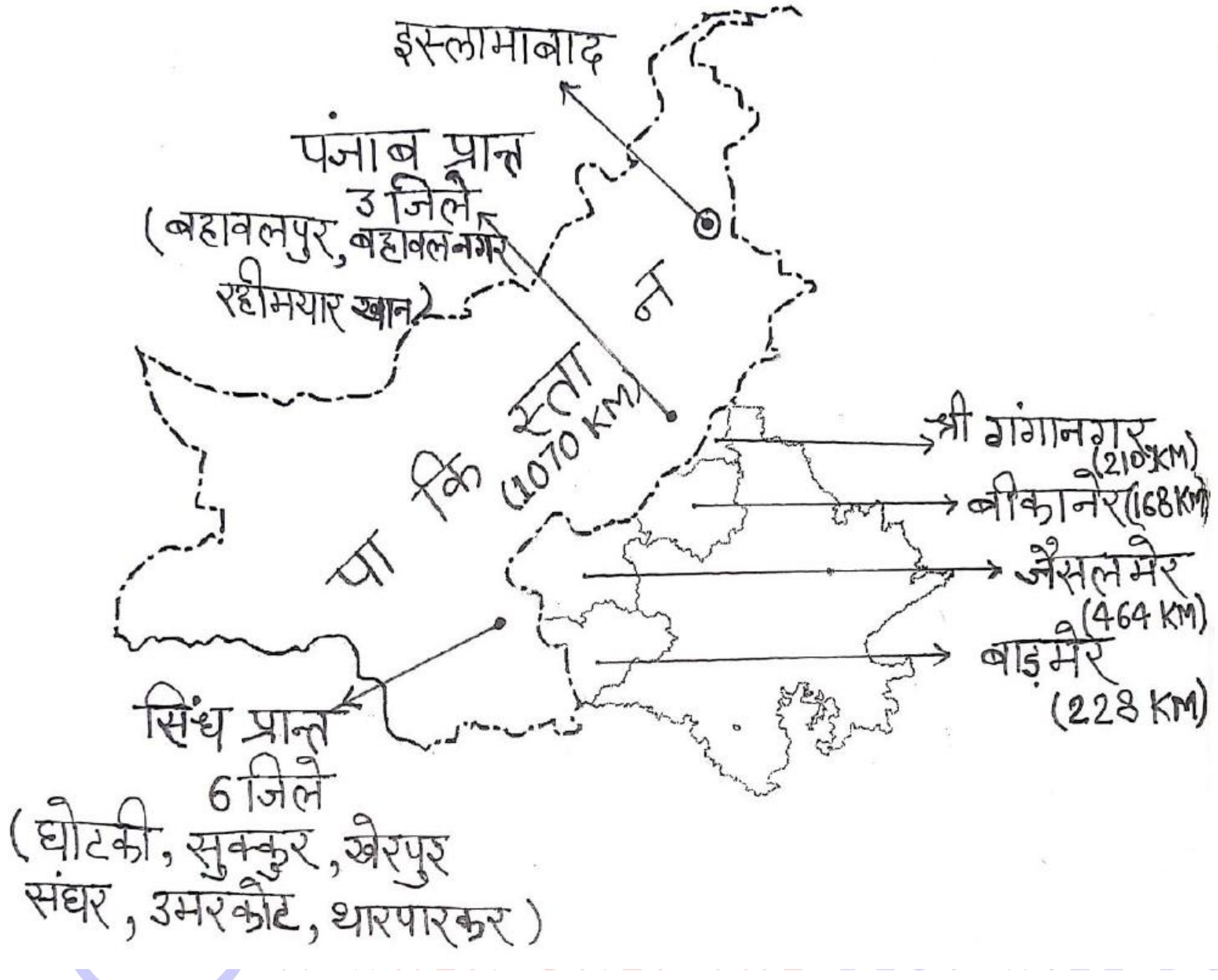

रेडक्लिफ रेखा पर भारत के चार राज्य स्थित है।

1. जम्मू-कश्मीर (1216 कि.मी.)
2. पंजाब (547 कि.मी.)
3. राजस्थान (1070 कि.मी.)
4. गुजरात (512 कि.मी.)

रेडक्लिफ रेखा के साथ सर्वाधिक सीमा - राजस्थान (1070 कि.मी.)

रेडक्लिफ रेखा के साथ सबसे कम सीमा- गुजरात(512 कि.मी.)

रेडक्लिफ रेखा के सर्वाधिक नजदीक राजधानी मुख्यालय - श्रीनगर

रेडक्लिफ रेखा के सर्वाधिक दूर राजधानी मुख्यालय - जयपुर

रेडक्लिफ रेखा पर क्षेत्र में बड़ा राज्य - राजस्थान

रेडक्लिफ रेखा पर क्षेत्र में सबसे छोटा राज्य - पंजाब

रेडक्लिफ रेखा के साथ राजस्थान की कुल सीमा 1070 कि.मी. है। जो राजस्थान के चार जिलों से लगती है।

1. श्रीगंगानगर-210 कि.मी.

2.बीकानेर-168 कि.मी.

3. जैसलमेर- 464 कि.मी.

4. बाड़मेर- 228 कि.मी.

रेडक्लिफ रेखा राज्य में उत्तर में श्रीगंगानगर के हिंदुमल कोट से लेकर दक्षिण - पश्चिम में बाड़मेर के शाहगढ़ बाखासर गाँव तक विस्तृत है।

रेडक्लिफ रेखा पर पाकिस्तान के 9 जिले पंजाब प्रान्त का बहावलपुर, बहावल नगर व रहीमयारखान तथा सिंध प्रान्त के घोटकी, सुक्कुर, खैरपुर, संघर, उमरकोट व थारपाकर राजस्थान से सीमा बनाती हैं।

राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा - बहावलपुर

राजस्थान के साथ न्यूनतम सीमा- खैरपुर

पाकिस्तान के दो प्रांत राजस्थान के सीमा को छूते हैं।

1. पंजाब प्रांत

2. सिंध प्रांत

रेडक्लिफ रेखा एक कृत्रिम रेखा है।

राजस्थान से सर्वाधिक सीमा जैसलमेर (464 कि.मी.) व न्यूनतम सीमा बीकानेर (168 कि.मी.) की रेडक्लिफ रेखा से लगती है।

रेडक्लिफ के नजदीक जिला मुख्यालय -श्रीगंगानगर

रेडक्लिफ के सर्वाधिक दूर जिला मुख्यालय - बीकानेर

रेडक्लिफ रेखा पर सबसे बड़ा जिला - जैसलमेर

रेडक्लिफ रेखा पर सबसे छोटा जिला - श्रीगंगानगर

राजस्थान के केवल अंतर्राष्ट्रीय सीमा वाले जिले - 2 (बीकानेर, जैसलमेर)

राजस्थान के परिधिय जिले - 25

राजस्थान के अंतर्राज्यीय सीमा वाले जिले - 23

राजस्थान के केवल अंतर्राज्यीय सीमा वाले जिले - 21

राजस्थान के 2 ऐसे जिले है जिनकी अन्तर्राज्जीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सीमा है –

1. श्रीगंगानगर (पाकिस्तान + पंजाब),
2. बाड़मेर (पाकिस्तान +गुजरात)

राजस्थान के 4 जिले ऐसे है जिनकी सीमा दो – दो राज्यों से लगती है-

हनुमानगढ़ :- पंजाब + हरियाणा

भरतपुर :- हरियाणा + उतरप्रदेश

धौलपुर :- उत्तरप्रदेश + मध्यप्रदेश

बाँसवाड़ा :- मध्यप्रदेश + गुजरात

पंजाब (८९ किमी०)

राजस्थान के दो जिलों की सीमा पंजाब से लगती है तथा पंजाब के दो जिले फाजिल्का व मुक्तसर की सीमा राजस्थान से...........................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

उत्तरप्रदेश (877 किमी०)

राजस्थान के दो जिलों की सीमा उत्तरप्रदेश के दो जिलों (मथुरा व आगरा) से लगती है। उत्तरप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा भरतपुर व न्यूनतम सीमा धौलपुर की लगती है। उत्तरप्रदेश की सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय भरतपुर व दूर जिला मुख्यालय धौलपुर है। उत्तरप्रदेश की सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला भरतपुर व छोटा जिला धौलपुर है।

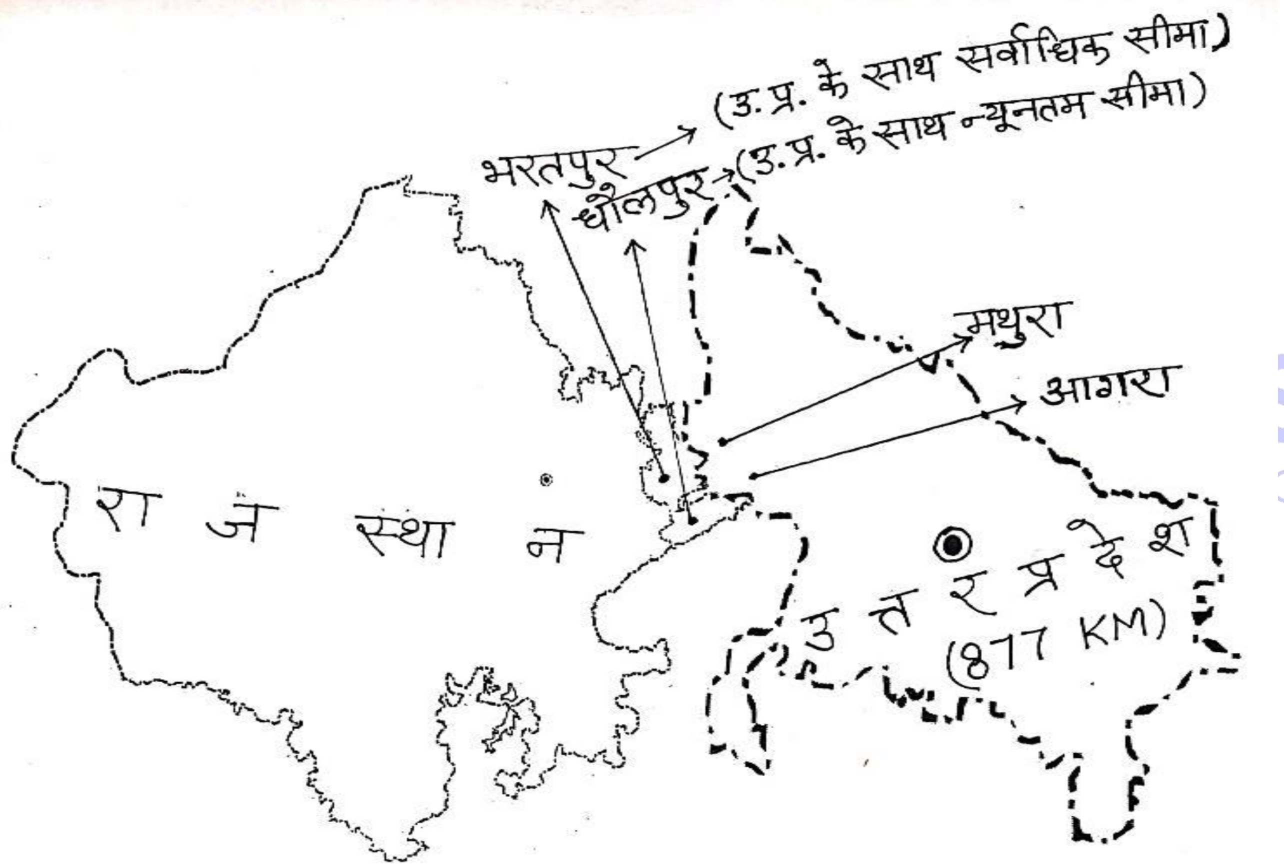

मध्यप्रदेश (1600 किमी०)

राजस्थान के 10 जिलों की सीमा मध्यप्रदेश के 10 जिलों की सीमा से लगती है।(झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, निमच, अगरमालवा, राजगढ, गुना, शिवपुरी, श्योंपुर, मुरैना) मध्यप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा झालावाड़ व न्यूनतम भीलवाड़ा की लगती है तथा सीमा के

नजदीक मुख्यालय धौलपुर व दूर जिला मुख्यालय भीलवाड़ा है। मध्यप्रदेश की सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला भीलवाड़ा व छोटा जिला धौलपुर है।

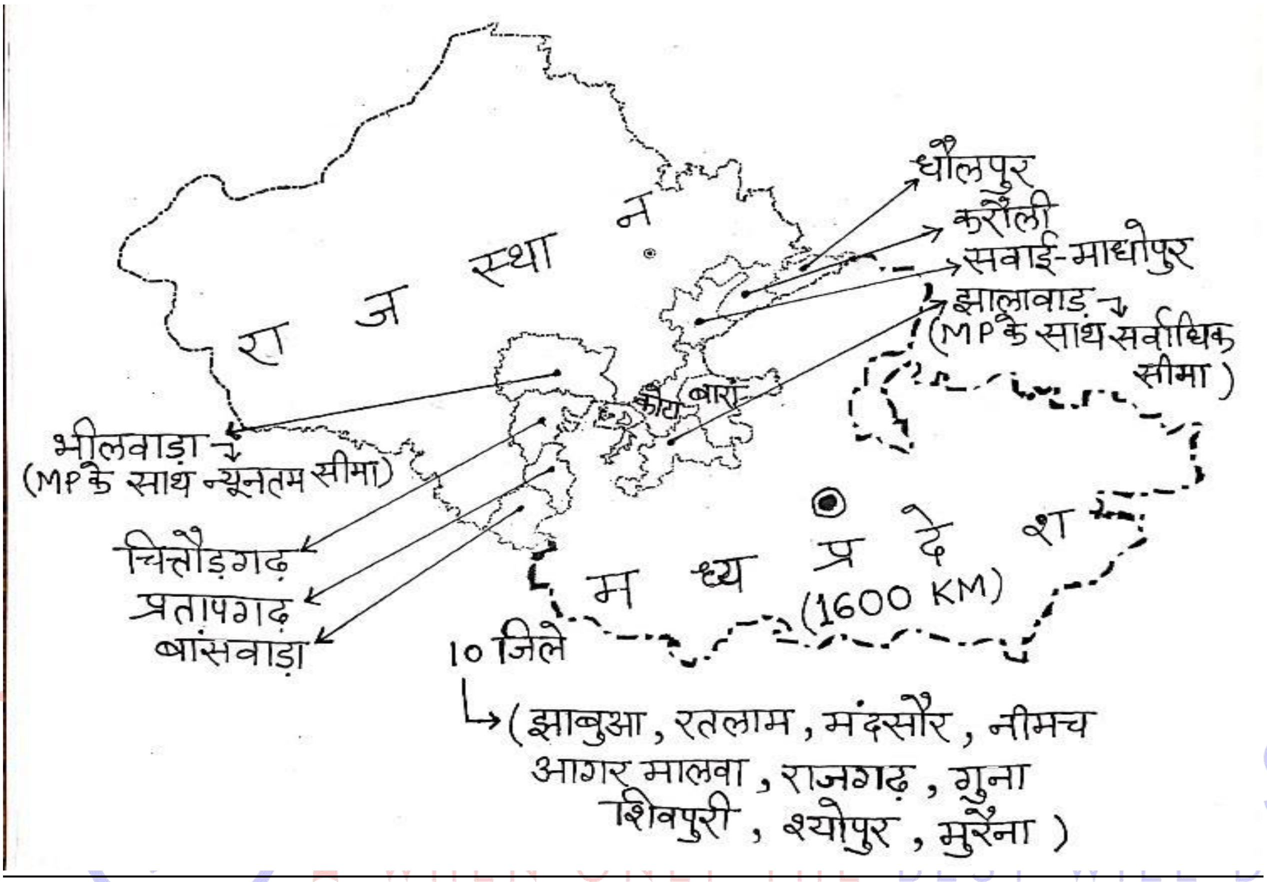

गुजरात (1022 किमी०)

राजस्थान के 6 जिलों की सीमा गुजरात के 6 जिलों से लगती है। (कच्छ, बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, माहीसागर, दाहोद)गुजरात के साथ सर्वाधिक सीमा उदयपुर.......................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान 1st Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा /

यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद ।

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

अध्याय – 2

प्रमुख भू – आकृतिक प्रदेश एवं उनकी विशेषताएं

नोटः-प्रिय पाठकों जैसा कि आपको ज्ञात है कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है। इस विशाल राज्य में रेगिस्तान, नदियाँ, पर्वत एवं पहाडियाँ, पठार अलग - अलग क्षेत्रों में पाये जाते है । इनकी वजह से राजस्थान को चार भौतिक प्रदेशों में बाँटा गया है-

1. **पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश** – वह क्षेत्र जहाँ पर रेगिस्तान पाया जाता हैं

2. **अरावली पर्वतमाला** - वह क्षेत्र जहाँ पर अरावली पर्वतमाला का विस्तार है।

3. **पूर्वी मैदानी प्रदेश**- वह क्षेत्र जहाँ पर अधिकांश दोमट व जलोढ़ मिट्टी पाई जाती हैं

4. **दक्षिणी** - पूर्वी पठारी प्रदेश - वह क्षेत्र जहाँ पर अधिकांश मात्रा में काली मिट्टी पाई जाती है, इस क्षेत्र को हाड़ोती का पठार भी कहते है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

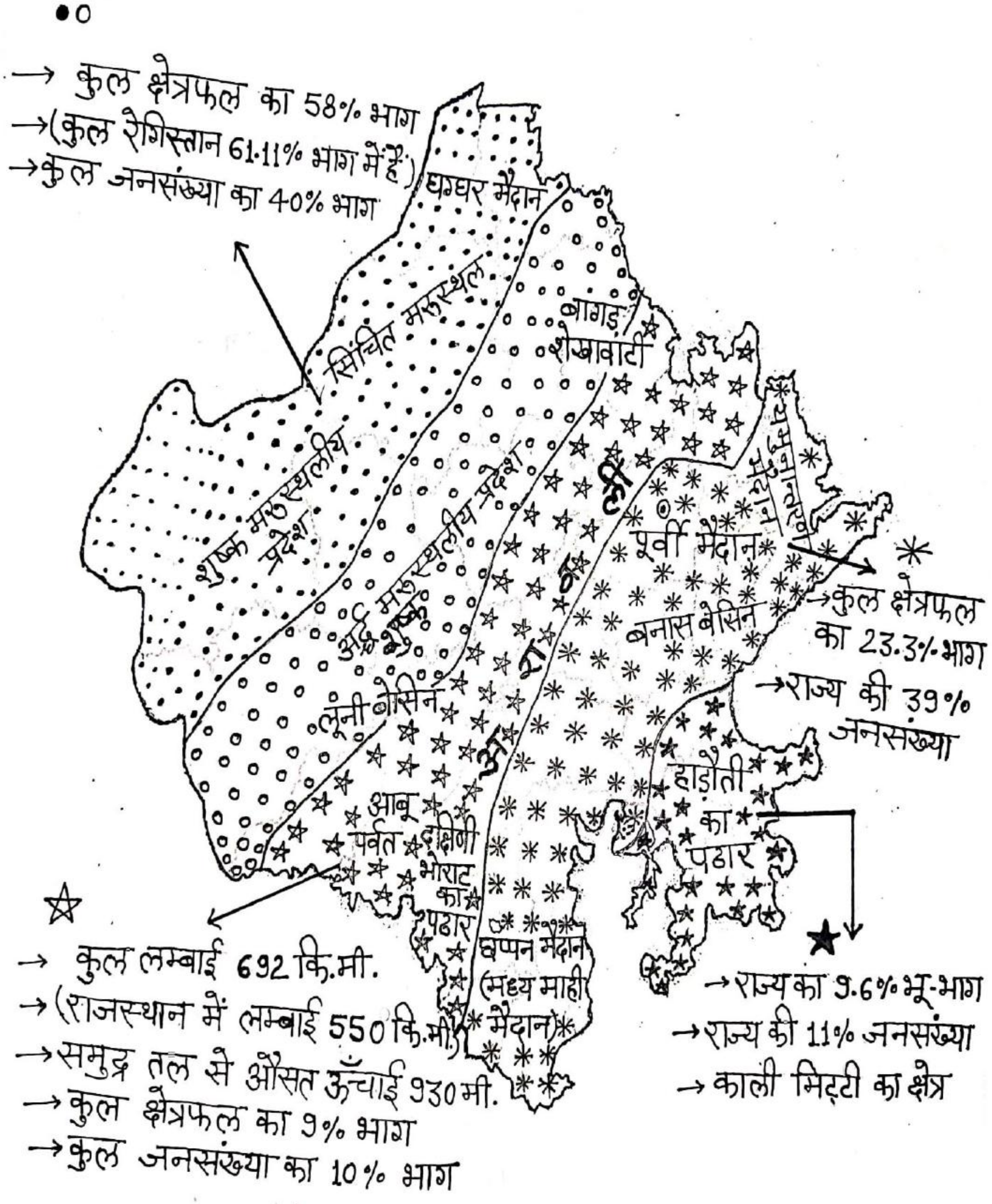

प्रिय छात्रों, इन चारों प्रदेशों का विस्तृत वर्णन इस प्रकार है-

- ***पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेशः-***

जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है कि राजस्थान का पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र टेथिस सागर का अवशेष है, और अरावली क्षेत्र गोंडवाना लैंड का हिस्सा है।

पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश का सामान्य परिचय :-

वर्तमान में रेगिस्तान का विस्तार राज्य के कुल 61.11 प्रतिशत हिस्से पर है।

नोटः- पहले ये क्षेत्र केवल 58 प्रतिशत भाग पर ही सीमित था, लेकिन वर्तमान में अरावली पर्वतमाला के कटी – फटी होने के कारण मरुस्थल का विस्तार पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ रहा है।

अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में कुल 12 जिले स्थित है, उनमें से 12 जिलों में रेगिस्तान का विस्तार है । यह जिले निम्न प्रकार हैं-

1. बीकानेर संभाग - बीकानेर, चुरु, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर
2. जोधपुर संभाग - जोधुपर, जैसलमेर, जालोर, बाड़मेर, पाली (अपवाद- सिरोही)
3. शेखावाटी क्षेत्र - सीकर, झुंझुनू
4. अजमेर संभाग – नागौर

नोटः – राज्य के सिरोही जिले में मरुस्थल का विस्तार नहीं है अर्थात् अरावली के पश्चिम में स्थित 13 जिलों में से सिरोही एक मात्र ऐसा जिला है, जो मरुस्थलीय जिलों की श्रेणी में शामिल नहीं है।

थार का रेगिस्तान राजस्थान के उत्तर-पश्चिम भाग और पाकिस्तान में सिंध तथा पंजाब तक फैला है। यह उत्तर – पश्चिम में 644 किमी॰ लम्बा और 360 किमी॰ चौड़ा है । इस

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

का सामान्य ढ़ाल उत्तर - पूर्व से दक्षिण -पश्चिम की ओर है । मरूस्थल का ऊँचा उठा हुआ उत्तर -पूर्वी भाग 'थली'तथा दक्षिण-पश्चिम भाग नीचे का 'तली 'कहलाता है।

इस मरूस्थलीय क्षेत्र में राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है।

यह विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला मरूस्थल है तथा इसके अलावा यह विश्व में जैव विविधता वाला मरूस्थल भी है।

थार के मरूस्थल की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ है, कि ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

अध्याय – 5

जनसंख्या वितरण, विकास, साक्षरता, लिंगानुपात

2021 की अनुमानित जनसंख्या

2020 में राजस्थान की अनुमानित जनसंख्या	79,502,477
2021 में पुरुषों की अनुमानित जनसंख्या	41,235,725
2021 में महिलाओं की अनुमानित जनसंख्या	38,266,753

2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या

2011 में राजस्थान की कुल आबादी	68,548,437
पुरुषों की जनसंख्या	35,554,169
महिलाओं की जनसंख्या	32,994,268
भारत की जनसंख्या (प्र.)	5.66%
लिंग अनुपात	928
बच्चों का लिंग अनुपात	888
घनत्व (प्रति वर्ग कि.मी.)	200
घनत्व (मील प्रति वर्ग)	519
क्षेत्र (प्रति वर्ग कि.मी.)	342,239
क्षेत्र (मील प्रति वर्ग)	132,139

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

बच्चों की जनसंख्या 0-6 वर्ष	10,649,504
लड़कों की जनसंख्या 0-6 वर्ष	5,639,176
लड़कियों की जनसंख्या 0-6 वर्ष	5,010,328
साक्षरता	66.11%
साक्षरता पुरुष (प्र.)	79.19%
साक्षरता महिलाएं (प्र.)	52.13%
कुल साक्षर	38,275,282
साक्षर पुरुष	23,688,412
साक्षर महिलाएं	14,586,870

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

राजस्थान की आबादी - धर्म के अनुसार विवरण

धर्म	2011 जनसंख्या	प्रतिशत	2021 की अनुमानित जनसंख्या
हिंदू	60,657,103	88.49%	70,350,108
मुसलमान	6,215,377	9.07%	7,208,594

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान 1st Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा /

यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

अध्याय – II

राजस्थान राज्य के प्रमुख उद्योग

वर्तमान समय में चीन सूती वस्त्र के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान रखता है ।

- सूती कपडों के लिए इंग्लैण्ड का मैनचेस्टर (Manchester) शहर प्रसिद्ध है ।
- शंघाई को चीन का मैनचेस्टर (Manchester) कहा जाता है ।
- जापान का मैनचेस्टर ओसाका को कहा जाता है ।
- भारत का मैनचेस्टर अहमदाबाद को कहा जाता है ।
- उत्तरी भारत का मैनचेस्टर कानपुर को कहा जाता है ।
- दक्षिण भारत का मैनचेस्टर कोयम्बटुर को कहा जाता है ।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

राजस्थान का सूती वस्त्र उद्योग

राजस्थान के गठन के समय 11 वृहद उद्योग (7 सूती वस्त्र उद्योग 2 सीमेंट व 2 चीनी उद्योग और 207 पंजीकृत फेक्ट्रियां थी ।

दुसरीं पंचवर्षीय योजना में उधोगों को सर्वोच्य प्राथमिकता दी गई थी ।

जिला उधोग केंद्र

इनका वर्ष 1978 मे केन्द्र प्रवर्तित योजना के तहत जिला उद्योग केन्द्रो की स्थापना की गई वर्तमान में राज्य मे 36 जिला उद्योग केन्द्र व 8 उपकेन्द्र है

राजस्थान में सर्वाधिक

औधोगिक इकाईया -जयपुर में

वृहद आद्यौगिक इकाईया अलवर में

सर्वाधिक बहुराष्ट्रीय औद्योगिक इकाईया भिवाड़ी(अलवर) में है ।

राजस्थान में न्यूनतम औद्योगिक इकाईया जैसलमेर में

न्यूनतम पंजीकृत फैक्ट्रियां जैसलमेर व बारां में है ।

राज्य में सर्वाधिक खनन पट्टे संगमरमर के है

राजस्थान की औद्योगिक नीतियाँ

(अब तक चार औद्योगिक नीतियाँ घोषित)

ये चारो औद्योगिक नीतियाँ मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत के समय घोषित की गई थी

प्रथम 24 जून 1978

खादी, हथकरघा, हस्तशिल्प में विकास करके रोजगार प्राप्त करना ।

दूसरी दिसम्बर 1990 को घोषित

(अप्रैल 1991 को लागू) साधन आधरित उधोग का विकास

तीसरी 15 जून 1994 तीव्र गति से औधोगिक विकास करना ।

चौथी 4 जून 1998 मानवीय संसाधन विकास करना।

राजस्थान में नवीन ओधोगिक नीति 2010 -इसका उद्देश्य विनिर्माण उधोग व सेवा को बढ़ाना है ।

- वर्तमान में 34 जिला उधोग व 7 उपकेंद्र है ।
- राजस्थान का मैनचेस्टर भीलवाड़ा को कहा जाता है।
- नवीन मेनचेस्टर के नाम से भिवाड़ी (अलवर) को जाना जाता है । कलकत्ता मे भारत की प्रथम सूती मील 1818 में खोली गई ।
- राजस्थान का सबसे प्राचीन एवं सुसंगठित उद्योग सूती वस्त्र उद्योग है ।

राजस्थान की प्रथम सूती वस्त्र मिल 'दी कृष्णा मिल्स लिमिटेड' की स्थापना 1889 में सेठ दामोदर दास राठी व श्याम जी कृष्ण वर्मा ने......................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Ist Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)

राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk8S6W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

AVAILABLE ON/

01414045784

contact@infusionnotes.com

http://www.infusionnotes.com/